



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28032024-253430  
CG-DL-E-28032024-253430

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 76]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 27, 2024/चैत्र 7, 1945

No. 76]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 27, 2024/CHAITRA7, 1945

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 2024

सं. 53/2023

विषय : स्कोमेट की श्रेणी 8क5 भाग 2 के तहत सूचना सुरक्षा मदों के निर्यात के लिए सामान्य प्राधिकार पत्र (जीईआईएस) की प्रक्रिया की अधिसूचना।

फा. सं. 01/77/171/030/एम24/ईसी(एस) कम्प्यूटर सं. 36771.—समय-समय पर यथासंशोधित विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 के पैरा 1.03 और 2.01 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार (डीजीएफटी) एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (एचबीपी) 2023 के अध्याय 10 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:

पैरा 10.15 (ii): स्कोमेट श्रेणी 8क5 भाग 2 के अंतर्गत सूचना सुरक्षा मदों के निर्यात के लिए सामान्य प्राधिकार पत्र

स्वदेशी स्कोमेट मदों (स्कोमेट श्रेणी 8क5 भाग 2 के तहत सूचना सुरक्षा मदें) के निर्यात को निम्नलिखित शर्तों के अधीन एक बार के सामान्य प्राधिकार पत्र (जीईआईएस) के आधार पर अनुमति दी जाएगी:

1. नीति और पात्रता: निम्नलिखित शर्तों के अधीन स्कोमेट श्रेणी 8क5 भाग 2 के तहत सूचना सुरक्षा मदों (प्रौद्योगिकी को छोड़कर) के निर्यात और/या पुनः निर्यात के लिए स्कोमेट प्राधिकार पत्र की आवश्यकता नहीं होगी:

- क. आवेदक निर्यातक को ऑनलाइन स्कोमेट पोर्टल के माध्यम से जीएईआइएस के तहत एक बार लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन जमा करना होगा और निर्धारित प्रोफार्मा में जानकारी संलग्न करनी होगी।
- ख. निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदक निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आवेदन और अन्य सहायक दस्तावेजों के आधार पर अंतर-मंत्रालयी कार्य समूह (आइएमडब्ल्यूजी) द्वारा जीएईआइएस जारी करने के लिए आवेदन की समीक्षा/जांच की जाएगी:
- i. संबंधित तकनीकी विवरण/विशिष्टताओं के साथ इस प्राधिकार पत्र के तहत निर्यात की जाने वाली मदों का विस्तृत विवरण;
  - ii. प्राधिकार पत्र जारी करने से पहले आपूर्ति श्रृंखला में शामिल सभी संस्थाओं (खरीदार, परिषेती, अंतिम उपयोगकर्ता और कोई अन्य मध्यस्थ) से लेटरहेड पर (विधिवत हस्ताक्षरित और मुद्रांकित) अंतिम-उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र (ईयूसी) जमा किया जाना है। देशों की सूची (यथा अनुमोदित) में संस्थाओं के लिए बाद में ईयूसी प्रस्तुतियाँ नीचे बिन्दु viii में यथा उल्लिखित पोस्ट-रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अधीन होंगी।
  - iii. उन देशों की सूची जहां जीएईआइएस के तहत निर्यात किए जाने की उम्मीद है, आवेदक को आवेदन जमा करते समय प्रस्तुत करना होगा।
  - iv. फर्म के लेटरहेड पर निम्नलिखित के बारे में जानकारी देते हुए अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित और मुहर लगाई गई वचनबद्धता:
    1. यदि डीजीएफटी या भारत सरकार के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी ऑन-साइट निरीक्षण की आवश्यकता हो तो आवेदक निर्यातक द्वारा इसकी अनुमति दी जाएगी;
    2. आवेदक निर्यातक घोषणा करता है कि जिन मदों का निर्यात किया जाना है, उनका उपयोग ईयूसी में बताए गए उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य (उद्देश्यों) के लिए नहीं किया जाएगा और इस तरह के उपयोग को न ही बदला जाएगा और न ही सरकार की पूर्व सहमति के बिना मदों को संशोधित किया जाएगा या दोहराया जाएगा।
    3. आवेदक निर्यातक घोषणा करता है कि निर्यात प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद, यदि लाइसेंसधारी को डीजीएफटी द्वारा लिखित रूप में सूचित किया गया है या यदि वे जानते हैं या ऐसा विश्वास करने का कारण है कि कोई मद सेना के लिए या इसमें उपयोग का संभावित जोखिम है या सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) या उनकी मिसाइल प्रणाली की डिलीवरी में उपयोग हो सकती है तो निर्यातक उस/उन वस्तुओं के निर्यात के लिए जीएईआइएस के लिए पात्र नहीं होगा और नियमित नीति के संदर्भ में नए प्राधिकार पत्र के लिए डीजीएफटी को अलग से आवेदन करेगा।
    4. किसी भी गलत घोषणा के लिए निर्यातक के खिलाफ विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत कार्रवाई की जाएगी।
  - v. कंपनी के अनुपालन प्रबंधक द्वारा प्रमाणित/अनुमोदित आंतरिक अनुपालन कार्यक्रम।
  - vi. अधिकृत आर्थिक संचालक (एईओ) सीबीआईसी का टी2 प्रमाणन।
  - vii. आयातित मदों को पुनः निर्यात करने के मामले में, निम्नलिखित अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने होंगे:
    - (i) मद (मदों) के आयात का साक्ष्य:
      - दस्तावेजी साक्ष्य कि मूल रूप से आयातित मद (मदें) पुनः निर्यात की अपेक्षित मद (मदों) के साथ मेल खाती है;
      - पुनः निर्यात की जाने वाली मदों के विवरण सहित प्रविष्टि बिल;
      - निर्यात लाइसेंस (यदि लागू हो) अथवा कोई अन्य दस्तावेज जो यह दर्शाता है कि भारत से पुनः निर्यात पर निर्यात करने वाले देश का निर्यात विनियमन का कोई प्रतिबंध नहीं है;
      - ऐसे किसी भी प्रतिबंध होने के मामले में, निर्यातक, उन देशों/इकाइयों की सूची का विवरण देते हुए स्पष्टीकरण पत्र देगा, जहां पुनः निर्यात/वापसी प्रतिबंधित/विनियमित है;
      - क्रय आदेश।
    - viii. आवेदक निर्यातक को जीएईआइएस प्राधिकार पत्र के जारी होने के बाद और वास्तविक निर्यात से पूर्व निम्नलिखित सुनिश्चित करना होगा:
      1. वे प्रत्येक निर्यात के लिए अंतिम उपयोग प्रमाणपत्र (ईयूसी) के साथ, ऐसे निर्यात के निर्धारित प्रारूप (आयात निर्यात फॉर्म (एएनएफ) 10इ) में त्रैमासिक आधार पर डीजीएफटी के ऑनलाइन पोर्टल में संबंधित सरकारी अधिकारियों को सूचित करेंगे।

2. निर्धारित प्रोफार्मा में ईयूसी (परिशिष्ट 10अ(प)) को आपूर्ति श्रृंखला में शामिल सभी संस्थाओं उदाहरणतः विदेशी खरीदार/प्रेषिती/अंतिम-उपयोगकर्ता/मध्यस्थ (थों) द्वारा संबंधित इकाई के लेटरहेड पर स्याही से विधिवत हस्ताक्षरित और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा मुहर लगाकर भरा जाना है। ईयूसी के साथ उपयोग की जाने वाली किसी भी अतिरिक्त शीट के मामले में, वह उसी कंपनी के लेटरहेड पर होनी चाहिए और उसी व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होनी चाहिए जो ईयूसी पर हस्ताक्षर करता है।

3. उनके पास एक समझौता या खरीद आदेश है, मद प्राप्त करने वाली इकाई (खरीदार/प्रेषिती /अंतिम उपयोगकर्ता) से अनुबंध का एक अंश है जो बताता है कि निर्यात अनुमत उपयोग/ अंतिम उपयोग के लिए है जैसा कि वास्तविक निर्यात से पूर्व ईयूसी में घोषित किया गया था;

4. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में वास्तविक निर्यात से पूर्व ईयूसी पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी का नाम, संपर्क नंबर और ईमेल आईडी शामिल होना चाहिए।

5. अतिरिक्त विवरण, यदि कोई हो, जो डीजीएफटी द्वारा मांगा गया है।

## 2. जीएईआइएस के तहत वस्तुओं के निर्यात/पुनः निर्यात के लिए पोस्ट-रिपोर्टिंग

क. भारतीय निर्यातक को जीएईटी के तहत उपरोक्त श्रेणियों/उप-श्रेणियों के तहत स्कोमेट मदों के प्रत्येक निर्यात/पुनः निर्यात का 3 साल के लिए तिमाही आधार (मार्च/जून/सितंबर/दिसंबर) पर अगले महीने के अंत तक पिछली तिमाही में किए गए निर्यात के संबंध में प्रत्येक तिमाही का पोस्ट-शिपमेंट विवरण प्रस्तुत करना होगा;

ख. आयातित मदों के पुनः निर्यात के मामले में, 1.ख.vii.(i) में यथा उल्लिखित अतिरिक्त दस्तावेज पोस्ट-रिपोर्टिंग के समय जमा करने होंगे;

ग. ऐसा करने में विफल रहने पर जुर्माना लगाया जा सकता है और/या जीएईआइएस को स्थगित/निरस्त किया जा सकता है।

## 3. रिकॉर्ड रखना

निर्यातक को डीजीएफटी द्वारा जारी किए गए जीएईआइएस की तिथि से 5 वर्ष की अवधि हेतु प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 10.18 के अनुसार मैनुअल रूप से या इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी निर्यात दस्तावेजों का रिकॉर्ड रखना अपेक्षित होगा।

## 4. सामान्य भार्ते और अपवर्जन

क. जीएईआइएस जारी नहीं किया जाएगा यदि मदों को सैन्य अनुप्रयोग, विस्फोटक रसायन, जैविक, परमाणु हथियारों या सामूहिक विनाश के हथियारों की डिलिवरी करने में सक्षम मिसाइल और उनकी डिलिवरी प्रणाली के प्रयोग और/अथवा उनके डिजाइन, विकास, अधिग्रहण या विनिर्माण, रखने, परिवहन, हस्तांतरण हेतु प्रयोग किया जाएगा।

ख. यूएनएससी प्रतिबंध या प्रतिबंध सूची में शामिल देशों अथवा ईकाइयों हेतु या प्रसार संबंधी चिंताओं का मूल्यांकन अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति कारणों आदि से जीएईआइएस जारी नहीं किया जाएगा:

ग. नए देशों को शामिल करने या उन देशों की मौजूदा सूची में संशोधन के मामले में जहां जीएईआइएस के तहत निर्यात किया जाना अपेक्षित है, आवेदन निर्यातक को प्रासंगिक विवरण के साथ डीजीएफटी की पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी।

घ. आइएमडब्ल्यूजी के पास कोई भी कारण (कारणों) को बताएं बिना जीएईआइएस को जारी करने से मना करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

## 5. वैधता

I. उपर्युक्त श्रेणियों/उप श्रेणियों के तहत स्कोमेट मदों के निर्यात/पुनः निर्यात हेतु जारी किया गया जीएईआइएस, जीएईआइएस के जारी होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि हेतु वैध होगा बशर्ते कि अंतिम तिमाही से 30 दिनों के भीतर त्रैमासिक आधार पर आगामी पश्च रिपोर्टिंग (रिपोर्टिंग्स) की जाए।

II. जीएईआइएस का प्रक्रिया पुस्तक 2023 के पैरा 10.20 के अनुसरण में पुनः वैधीकरण नहीं किया जा सकता है।

## 6. निलंबन/निरसन

जरी किया गया जीएईआइएस का प्रसार संबंधी चिंताओं पर प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होने पर अथवा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर अनिवार्य पश्च-पोतलदान विवरण/रिपोर्ट/दस्तावेजों को प्रस्तुत न करने के लिए अथवा प्रस्तावित नीति की शर्तों का अनुपालन न होने पर डीजीएफटी द्वारा निलंबन/निरसन किया जा सकता है।

**इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:** दूरसंचार सुरक्षा मदों के निर्यात हेतु सामान्य प्राधिकार पत्र(जीएईआइएस) हेतु प्रक्रिया को प्रक्रिया पुस्तक 2023 के पैरा 10.15 (II) के तहत अधिसूचित किया गया है।

संतोष कुमार सारंगी, महानिदेशक

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 27th March, 2024

**No. 53/2023****Subject : Notification of the procedure for General Authorisation for Export of Information Security items(GAEIS) under Category 8A5 Part 2 of SCOMET- reg.**

**F. No. 01/77/171/030/AM24/EC(S); Computer no. 36771.**—In exercise of the powers conferred under Paragraph 1.03 and 2.01 of the Foreign Trade Policy (FTP) 2023 as amended from time to time, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) hereby makes the following amendment to chapter 10 of the Handbook of Procedures (HBP) 2023

Para 10.15(II): General Authorization for Export of Information Security items under SCOMET Category 8A5 Part 2  
Export of indigenous SCOMET items (Information Security items under SCOMET Category 8A5 Part 2) will be allowed based on a one-time General Authorization (GAEIS) subject to the following conditions:

**1. Policy & Eligibility:** SCOMET authorization will not be required, for the export and/or re-export of Information Security items (*excluding technology*) under SCOMET Category 8A5 Part 2 subject to the following conditions:

- a. The applicant exporter shall submit an application for getting a one-time license under GAEIS through the online SCOMET portal and attach the information in the prescribed performa.
- b. The application would be reviewed/examined for the issuance of GAEIS by the Inter-Ministerial Working Group (IMWG) based on the submitted application and other supporting documents submitted by the applicant exporter in the prescribed proforma including:
  - i. Detailed description of the items that are intended to be exported under this authorization with relevant technical details/specifications;
  - ii. End-user certificate (EUC) from all the entities involved in the supply chain (buyer, consignee, end user and any other intermediary) on the letterhead (duly signed and stamped) is to be submitted before issuance of authorization. Subsequent EUC submissions for entities in the list of countries (as approved) will be subject to post-reporting requirements as mentioned at viii below.
  - iii. The list of countries where the export is expected to be done under GAEIS is to be provided by the applicant at the time of submission of the application.
  - iv. Undertaking on the letterhead of the firm duly signed and stamped by the authorized signatory stating the following:
    1. Any on-site inspection will be allowed by the applicant exporter if required by the DGFT or authorized representatives of the Government of India;
    2. The applicant exporter declares that the items that are intended to be exported shall not be used for any purpose other than the purpose(s) stated in the EUC and that such use shall not be changed nor the items modified or replicated without the prior consent of the Government of India.;
    3. The applicant exporter declares that subsequent to the issuance of export authorization, if the licensee has been notified in writing by DGFT or if they know or has reason to believe that an item may be intended for military end use or has a potential risk of use in or diversion to weapons of mass destruction (WMD) or in delivery of their missile system, the exporter would not be eligible for GAEIS for export of that/those item(s) and would apply separately to DGFT for a fresh authorization in terms of regular policy.
    4. Action will be taken against the exporter under FT (D & R) Act, 1992 for any mis-declaration.
  - v. Certified/Approved Internal Compliance Programme by the Compliance Manager of the Company.
  - vi. Authorized Economic Operator (AEO) T2 Certification of CBIC.

vii. In case of re-export of imported items, the following additional documents have to be submitted:

(i) Proof of import of the item(s):

- Documentary proof that the item(s) originally imported, match with intended item(s) of re-export;
- Bill of entry containing details of the items to be re-exported;
- Export License (if applicable) or any other documents showing that export regulation of the country of export does not have any restriction on re-export from India;
- In case of any such restriction, the exporter will provide a letter of explanation detailing the list of countries/entities, to which re-export/return is restricted / regulated;
- Purchase order

viii. After issuance of GAEIS authorization and before actual export, the applicant exporter must ensure the following:

1. They shall notify the relevant government authorities in the online portal of DGFT, on a quarterly basis of such export in the prescribed format [**Aayat Niryat Form (ANF) 10I**], along with the End-Use Certificate (EUC) for each export.

2. The EUCs in prescribed proforma [Appendix 10j(i)] are to be filled by all the entities involved in the chain of supply e.g. foreign buyer/consignee / end-user/intermediary (ies) on the letterhead of the respective entity, duly signed in ink and stamped by the authorized signatory of the company. In case of any additional sheet used along with the EUC, the same must be on the letterhead of the company and signed by the same person who signs the EUC.

3. They have an agreement or purchase order, an excerpt of a contract from the entity (buyer/consignee / end-user) receiving the items which state that the export is for a permitted use / an end-use as declared in the EUC before the actual export;

4. The documents submitted by the exporter must include the name, contact number and email ID of the authority signing the EUC before actual export.

5. Additional details, if any sought by DGFT.

## 2. Post reporting for export / re-export of items under GAEIS

a. The Indian exporter shall submit post-shipment details of each export/re-export of SCOMET items under the above Categories/sub-categories under GAET for 3 years on quarterly basis (March/June/September/December) by the end of subsequent month of each quarter, in respect of exports made in the previous quarter;

b. In case of re-export of imported items, the additional documents as mentioned in 1.b.vii.(i) have to be submitted at the time of post reporting.

c. Failure to do so may entail imposition of penalty and/or suspension/revocation of GAEIS.

## 3. Record Keeping

The exporter will be required to keep records of all the export documents, in manual or electronic form, in terms of Para 10.18 of HBP, for 5 years from the date of GAEIS issued by DGFT.

## 4. General Conditions & Exclusions

a. GAEIS would not be issued in case of items to be used to design, develop, acquire, or manufacture, possess, transport, transfer and/or used for military applications, explosives, chemical, biological, nuclear weapons or for missiles capable of delivering weapons of mass destruction and their delivery system;

b. GAEIS would not be issued for countries or entities covered under UNSC embargo or sanctions list or on assessment of proliferation concerns, or national security and foreign policy considerations, etc.:

c. In case of inclusion of new countries or amendment to the existing list of countries where the export is expected to be done under GAEIS the applicant exporter will obtain prior permission from DGFT with relevant details;

d. IMWG shall reserve the right to deny the issuance of GAEIS without assigning any reason(s).

## 5. Validity

I. GAEIS issued for export / re-export of SCOMET items under the above Categories / Sub Categories shall be valid for Three years from the date of issue of GAEIS subject to subsequent post reporting(s) on a quarterly basis to be reported within 30 days from the last quarter;

II. GAEIS cannot be revalidated in terms of Paragraph 10.20 of HBP 2023.

**6. Suspension / Revocation**

GAEIS issued shall be liable to be suspended/revoked by the DGFT on receipt of an adverse report on proliferation concern or for non-submission of mandatory post-shipment details/reports/documents within the prescribed timelines or non-compliance with the conditions of the proposed policy.

**Effect of this Public Notice:**

The procedure for General Authorization for Export of Information Security items (GAEIS) is notified under Paragraph 10.15(II) of HBP 2023

SANTOSH KUMAR SARANGI, Director